an>

Title: Need to include people belonging to Bengali Namo-Sudra Caste of Chhattisgarh in the list of Scheduled Castes.

श्री विक्रम उसेंडी (कांकेर)ः नमः शूद्र जाति शरणार्थी के रूप में भारत आए। बंगलादेश और पूर्वी पाकिस्तान के विस्थापित बंगाली नमः शूद्र देश के विभिन्न हिस्सों के साथ तत्कालीन मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य में बसाए गए थे। उनमें से अधिकांश अनुसूचित जाति वर्ग के थे। विस्थापित बंगाली नमः शूद्रो के द्वारा वर्ष 2001 में छत्तीसगढ़ शासन के समक्ष बंगाली जाति को अनुसूचित जाति में सम्मिलित करने का प्रस्ताव रखा। नमः शूद्र जाति के लोग अधिकांश खेतीहर मजदूर होते हैं। छत्तीसगढ़ में बसे बंगाली नमः शूद्रों को भारत की नागरिकता प्राप्त है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ के पखांजुर (परलकोट) बचेली, धरमपुरा (जगदलपुर) माना (रायपुर) धरमजयगढ़, रामानुजगंज इत्यादि स्थानों पर निवासरत हैं। यहां पर कई परिवारों की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। कई लोग बेरोजगार हैं। वर्णसंकर नमः शूद्र जाति के सात प्रमुख उपजाति है - 1. सियाली, 2. कोरा, 3. किशोरी, 4. नालों, 5. मेछो, 6.नुनिया, 7. चाषी। छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा सियाली उपजाति के लोग ही आए हैं। जन्म, विवाह, मृत्यु आदि संस्कार सभी संस्कार वर्ण हिन्दुओं की भांति ही पालन करते हैं। चूंकि नमः शूद्र कोई नई जाति नहीं है पश्चिम बंगाल के साथ भारत के 8 राज्यों में इनको अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है। छत्तीसगढ़ विधान सभा द्वारा अशासकीय संकल्प पारित कर केन्द्र सरकार को भेजा गया है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि छत्तीसगढ़ के नमः शूद्र बंगालियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने हेतु शीघ्र आवश्यक कदम उठाए जाएं।